Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Tulsi Prajna 2008 10

Folder No.	024637
Granth Name	Tulsi Prajna 2008 10
Editor	Shanta Jain, Jagatram Bhattacharya
Publisher	Jain Vishwa Bharti - Ladnun
Edition	1
Year	2008
Pages	98

तुलसीप्रज्ञा २००८ १०

फोल्डर नं.	०२४६३७
ग्रन्थ	तुलसीप्रज्ञा २००८ १०
सम्पादक	शान्ता जैन, जगतराम भट्टाचार्य
प्रकाशक	जैन विश्व भारती – लाडनूँ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००८
पृष्ठ	९८

मुख्य टाईटल

Contents

English Section

Acaranga – Bhasyam – Acarya Mahaprajna ---------- 1
Anekanta Freedom from Hatreds and Violence – Chaturvedi Badrinath ---------- 14
Concept of Meditation in Jain Agama – Dr. Samani Mangal Prajna ---------- 27
Violent Behavior Causes and Remedy – Samani Chaitya Prajna ---------- 35
The Problem of Derivation of Meaning in Relative Language - Samani Ramaniya Prajna ---------- 43

हिन्दी खण्ड

अहिंसा का स्रोत – आचार्य महाप्रज्ञ ---------- ५५
षडजीवनिकाय के प्रति वैदिक दृष्टि – प्रो. दयानन्द भार्गव ---------- ६५
जैन शास्त्रों में वर्णित विज्ञान की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपयोगिता एवं महत्व – डॉ. संजीव सराफ ---------- ७०
प्राकृत साहित्य में अहिंसा सम्बन्धी कथाओं का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एच. सी. जैन ---------- ७९
जैन न्याय ग्रन्थों का सूचीकरण – डॉ. वीरसागर जैन ---------- ८४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org